Total Pages : 8

1382/R

I Year Arts Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper–II

(गद्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई-I

(क) प्राचीन भारत अपनी किन विशेषताओं के कारण विश्व प्रसिद्ध था?

(ख) 'अलख आजादी की' नाटक का प्रमुख उद्देश्य बताइये।

इकाई-II

(ग) 'बनाम लार्ड कर्जन' में बालमुकुन्द गुप्त ने किसकी कल्पना की है।

(घ) संदेसो देवकी सों कहियो

हौं तो .....। पंक्ति पूरी कीजिए।

इकाई-III

(ङ) 'भक्ति-आन्दोलन से जो भावात्मक एकता स्थापित हुई उसमें जितना फैलाव था, उतनी गहराई थी।' ये पंक्तियाँ किस निबंध से ली गई हैं।

(च) डॉ. रामविलास शर्मा के किन्हीं दो निबंध संग्रहों के नाम लिखिए।

इकाई-IV

(छ) भारतेन्दु युग के प्रमुख नाटककारों के नाम बताइए।

(ज) चार प्रकार के नायकों के नाम लिखिए।

इकाई-V

(झ) किन्हीं चार ललित निबन्धकारों के नाम लिखिए।

(ञ) द्विवेदी युग के प्रवर्तक का पूरा नाम बताइए।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

प्राचीनकाल से ही भारत अपने ज्ञान, अध्यात्म, धन-वैभव, विद्या, कला, कौशल में अद्वितीय रहा है। सैंकड़ों, हजारों वर्षों तक न केवल यूरोप, बल्कि संसार के सभी मंडियों और बाजारों में भारत का ही माल आकर्षण का केन्द्र हुआ करता था।

अथवा

3. आजादी की अलख जगी थी

अठारह सौ सत्तावन में

गाँव-गाँव रोटी पहुँची थी

अठारह सौ सत्तावन में

इकाई-II

4. जिस पद पर आप आरूढ़ हुए, वह आपका मौरूसी नहीं-नदी नाव संयोग की भाँति है। आगे भी कुछ आशा नहीं कि इस बार छोड़ने के बाद आपका इससे कुछ संबंध रहे। किन्तु जितने दिन आपके हाथ में शक्ति है, उतने दिन कुछ करने की शक्ति भी है।

अथवा

5. शब्द सदा सामान्य अर्थ को प्रकट करते हैं। कवि विशिष्ट अर्थ देना चाहता है। वह छन्दों के सहारे, उपमान-योजना के बदल पर, ध्वनिसाम्य के द्वारा विशिष्ट अर्थ का साधरणीकरण करता है।

इकाई-III

6. निश्छल आत्माभिव्यक्ति आत्मसाक्षात्कार के क्षणों में ही संभव हो सकती है-और आत्म-साक्षात्कार में दंभ के लिए स्थान कहाँ? अभिनव ने इसीलिए रस के उत्तम प्रकृति कहा है और उसके लिए तमोगुण और रजोगुण के ऊपर सतोगुण का प्राधान्य आवश्यक माना।

अथवा

7. प्रभु यदि बड़ा बनने का अवसर दें, तो वट-पीपल बनों, रसाल बनो। और यदि नहीं अवसर मिला, तो संतोष करके इख बनो। तुम्हारी लम्बाई-चौड़ाई-मुटाई तुम्हारा अन्तःकरण तुम्हारा हृदय, तुम्हारी महानता का मापदण्ड होगा। परिवेश की चिन्ता न करके अन्तःसत्य की चिन्ता करो।

इकाई-IV

8. 'गिलहरी' निबंध के मूल प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

9. 'अस्ति की पुकार-हिमालय' निबंध में आए मिश्र जी के विचारों को उद्घाटित कीजिए।

इकाई-V

10. जयशंकर प्रसाद के नाटकों की प्रसिद्धि के कारणों को लिखिए।

अथवा

11. शुक्ल युग के निबंधों के विकास क्रम को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-स

इकाई-I

12. नाटक 'अलख आजादी की' भारत के चार सौ वर्षों के इतिहास को सजीवता से प्रस्तुत करता है, कथन की समीक्षा कीजिए।

इकाई-II

13. 'देवदारु' निबंध में आए हजारीप्रसाद द्विवेदी जी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

इकाई-III

14. 'तुलसी के सामाजिक मूल्य' में आए रामविलास शर्मा के विचारों को लिखिए।

इकाई-IV

15. हिन्दी निबंध साहित्य के विकास के विभिन्न चरणों का उल्लेख कीजिए।

इकाई-V

16. हिन्दी निबंध में ललित निबन्धकारों का वर्णन कीजिए।